मध्यकालीन भारत

भाग-1
(750-1540)

संपादक
हरीशचंद्र वर्मा

हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

Scanned by TapScanner

विषय-सूची

ध्याय		लेखक का नाम	पृष्ठ संख्या
	पूर्व-मध्यकालीन भारत : राजनीतिक स्थिति, 750-1200 ई॰		
)	उत्तरी भारत	गोविंद प्रसाद उपाध्याय राजधानी कॉलेज	1

त्रिपक्षीय संघर्ष 2, कन्नौज के गुर्जर-प्रतीहार 4, गहड़वाल वंश 6, दिल्ली तथा अजमेर के चौहान 7, बंगाल के पाल तथा सेन वंश 10, शाही वंश 12, काश्मीर के राजवंश 14, उत्पल वंश 14, सिंध के शासक 15, गुजरात के चालुक्य 15, जैजाकभुक्ति के चंदेल 17, मालवा के परमार 19, मुंज (973-995 ई॰) 19, कलचुरी 21

)	दक्षिण भारत	संतोष कुमार शुक्ल ज़ाकिर हुसैन कॉलेज	23

भौगोलिक एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 23, दक्कन तथा दक्षिणी भारत में राजनीतिक विकास 25, राष्ट्रकूट वंश 25, पल्लव वंश 27, दक्षिण भारत : ग्यारहवीं एवं बारहवीं शताब्दियों के मध्य (चोल-चालुक्य युग) 29, चोल 29, राजेंद्र चोल (1012-1044 ई॰) 33, सजेंद्र के उत्तराधिकारी (1044-1070) 35, चालुक्य चोलवंश : कुलोत्तुंग प्रथम (1070-1120 ई॰) 37, कुलोत्तुंग के वैदेशिक संबंधों का सर्वेक्षण 39, कुलोत्तुंग के उत्तराधिकारी एवं चालुक्य-चोल वंश का पतन 40, कुलोत्तुंग द्वितीय (1135-1150 ई॰) 40, अन्य चोल शासक 41, कल्याणी के चालुक्य 42, विक्रमादित्य चतुर्थ (1076-1126) 44

)	**परिशिष्ट : राजपूतों की उत्पत्ति**	गोविन्द प्रसाद उपाध्याय	45
	राजतंत्रीय, सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था का विकास तथा सांस्कृतिक प्रगति, 775-1290		
)	**राजतंत्रीय व्यवस्था**	गोविन्द प्रसाद उपाध्याय	50

राजनीतिक सिद्धांत 50, उत्तरी भारत की शासन-व्यवस्था 52, सैनिक प्रशासन 54, राज्य की आय 55, आर्थिक विकास 55, सामाजिक विकास 57, विवाह-प्रथा तथा स्त्रियों की स्थिति 59, मनोरंजन 60, खान-पान 60, धार्मिक संप्रदायों का विकास 60, शैव संप्रदाय 60,

Scanned by TapScanner

वैष्णव संप्रदाय 61, तांत्रिक संप्रदाय 61, बौद्ध धर्म 62, जैन धर्म 63, पारसी धर्म 63, इस्लाम 63, भाषा तथा साहित्यः संस्कृत 64

(ख) **प्राकृत साहित्य** — गोविन्द प्रसाद उपाध्याय

अपभ्रंश 67, कला-कृतियों का विकास 67, स्थापत्य कला 67, मूर्तिकला 70

(ग) **दक्षिणी भारत की शासन-व्यवस्था** — गोविन्द प्रसाद उपाध्याय

स्थानीय स्वशासन 74, सामाजिक विकास 75, आर्थिक विकास तथा व्यापारिक संगठन (आठवीं से दसवीं शताब्दी तक) 76, उद्योग-धंधों तथा व्यापार में विकास 77, आर्थिक जीवन में मंदिरों की भूमिका 78, चोल एवं चालुक्य-युगीन आर्थिक स्थिति का निरूपण (दसवीं से बारहवीं सदी तक) 79, आर्थिक जीवन का सामाजिक आधार 79, कृषि एवं भूमि-व्यवस्था 80, भूस्वामित्व 81, कृषि और सिंचाई 82, सिंचाई 83, उद्योग एवं व्यापार 83, विदेश व्यापार 85, व्यापारिक निगम 87, ऋण और ब्याज 88, मूल्य या कीमतें 88, धार्मिक संप्रदायों का विकास 89, वैष्णव संप्रदाय तथा भक्ति आंदोलन 90, वीरशैव संप्रदाय (लिंगायत) 90, शैवाद्वैत 91, जैन तथा बौद्ध धर्म 91, भाषा तथा साहित्य का विकास 92, कन्नड़ 92, तेलगू 92, तमिल 93, शैव-साहित्य 94, कला-कृतियों का विकास 94, स्थापत्य कला:बेसर शैली 94, द्राविड़ शैली 95, पल्लव कला 96, राजसिंह शैली 96, नंदिवर्मन अथवा अपराजित शैली 97, चोलकालीन स्थापत्यकला 97, मूर्तिकला 98

3. **तुर्कों का आगमन** — नीना सक्सेना, लेडी श्रीराम कॉलेज

हज़रत मुहम्मद के बाद मुस्लिम राजशासन का स्वरूप 99, महमूद के आक्रमण का उद्देश्य 104, तत्कालीन भारतीय राजनीति और संस्थाएँ 105, राजनीतिक संगठन 110, सामाजिक संगठन 111, धार्मिक स्थिति 113, गोरी वंश 114, तुर्की आक्रमण के विरुद्ध राजपूत राज्यों की हार के कारण 114, राजनीतिक कारण 116, सामाजिक कारण 117, धार्मिक कारण 118, सैनिक कारण 118, तुर्की आक्रमणों का प्रभाव 119, उत्तराधिकार का नियम 120, अक्ता प्रथा 120, सामंतवाद का ह्रास 121, नई आर्थिक व्यवस्था 124

Scanned by TapScanner

दिल्ली सल्तनत की स्थापना, 1206-1290 ई० मीनाक्षी सहाय, माता सुंदरी कॉलेज — 127

आदि तुक 127, कुत्बुद्दान ऐबक 127, आरामशाह 129, शम्सुद्दीन इल्तुतमिश (1210-1236 ई.) 129, इल्तुतमिश को उत्तराधिकारी 131, सुल्तान रुक्नुद्दीन फ़ीरोज़शाह (1236 ई.) 132, रज़िया (1236-1240 ई.) 132, मुइज़ुद्दीन बहरामशाह (1240-1242 ई.) 134, सुल्तान अलाउद्दीन मसूदशाह (1242-1246 ई.) 135, नासिरुद्दीन महमूद (1246-1265 ई.) 136, प्रारंभिक तुर्की शासन का स्वरूप और इल्तुतमिश का योगदान 139, केंद्रीय शासन 141, सुल्तान का पद एवं शक्तियाँ 142, उत्तराधिकार की समस्या 145, शासक वर्ग 146, अक्ताएँ 149, सेना 149, न्याय-व्यवस्था 150, मुद्रा 150, बल्बन का राजत्व का सिद्धांत 151

दिल्ली सल्तनत का विस्तार

ख़लजी वंश, 1290-1320 मीनाक्षी सहाय — 161

ख़लजी क्रांति—स्वरूप और महत्त्व 161, जलालुद्दीन ख़लजी (1290-1296) 165, अलाउद्दीन ख़लजी (1296-1316) 166, सल्तनत का विस्तार 166, राजनीतिक आदर्श 171, प्रशासनिक सुधार 176, मंत्रिगण 176, न्याय प्रशासन 177, पुलिस और गुप्तचर 178, डाक-पद्धति 178, सैनिक सुधार - 180, आर्थिक सुधार 181, मंडी अर्थात गल्ला बाजार 182, सराय-ए-अदल 184, घोड़ों, दासों और मवेशियों के बाजार 185, कर-प्रणाली 187, अलाउद्दीन के आर्थिक व राजस्व सुधारों के परिणाम 188

ब) तुग़लुक वंश (1320-1398) मनोहरलाल भाटिया, राजधानी कॉलेज — 189

ग़यासुद्दीन तुग़लुक 189, प्रशासनिक एवं आर्थिक सुधार 191, अभियान 192, मुहम्मद तुग़लुक 193, राजनीतिक एवं प्रशासनिक योजनाएँ 195, राजधानी का परिवर्तन 196, सांकेतिक मुद्रा का प्रचलन 197, खुरासान अभियान 198, दोआब में भू-राजस्व की वृद्धि 199, फ़िरोज़शाह तुग़लुक 203

ग) मंगोल आक्रमण और उसका प्रभाव अर्चना ओझा, कमला नेहरू कॉलेज — 208

मंगोल समस्या 212, मंगोलों का प्रभाव 217

Scanned by TapScanner

(घ) दिल्ली सल्तनत एवं दक्षिण भारत — तृप्ता वर्मा, माता सुंदरी कॉलेज

दक्षिण की स्थिति का सर्वेक्षण 220, दक्षिण की आर्थिक संपन्नता 222, विभिन्न सैनिक अभियानः देवगिरि पर आक्रमण (1296 ई॰) 222, देवगिरि का द्वितीय अभियान (1307 ई॰) 224, द्वारसमुद्र की विजय (1310 ई॰) 225, मदुरा या माबर विजय (1311 ई॰) 226, देवगिरि पर तीसरा आक्रमण (1312-1313 ई॰) 226, दक्षिण नीति 227, दक्षिण विजय का स्वरूप 228, नसरुद्दीन खुसरो शाह 229, तुग़लुक़ काल 230, वारंगल अभियान (तेलंगाना विजय, 1321-1323 ई॰) 230, वारंगल पर दूसरा आक्रमण 232

6. दिल्ली सल्तनत के विघटन का काल, 1398-1526 ई॰

प्रथम अफगान राज्य

(क) अफ़ग़ान-राजपूत संबंध — सुरेश कुमार श्रीवास्तव, हंसराज कॉलेज

(ख) अफ़ग़ान-मुग़ल संबंध — सुरेश कुमार श्रीवास्तव

(ग) उत्तरी भारत में स्वतंत्र मुस्लिम राज्यों का उदय — हरिश्चन्द्र वर्मा, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

जौनपुर राज्य 255, मुबारक शाह शर्की एवं इब्राहीम शर्की 255, बंगाल का राज्य 256, अलाउद्दीन हुसैन शाह 256, नुसरत शाह 257, मालवा राज्य 257, ख़लजी वंश 258, सुल्तान नासिरुद्दीन 258, गुजरात का राज्य 259, अहमदशाह 259, सुल्तान महमूद बेगड़ा 260, सुल्तान बहादुर शाह 261, कश्मीर का राज्य 262, सुल्तान सिकंदर 262, सुल्तान जैनुल आबिदीन 262

7. दक्षिण भारतः तेरहवीं से सोलहवीं शताब्दी — संतोष कुमार शुक्ल

(क) चोल-चालुक्य साम्राज्यों के पतन के बाद दक्षिण में चार प्रादेशिक राज्यों का उदय

देवगिरि के यादव 263, वारंगल के काकतीय 264, द्वारसमुद्र के होयसल 264, मदुरा के पांड्य 265, तेरहवीं शताब्दी में राजतंत्र, अर्थव्यवस्था एवं समाज 266, अर्थव्यवस्था और समाज 266

(ख) दक्षिण में तुग़लुक का पतन और विजयनगर तथा बहमनी साम्राज्यों का उदय

(ग) विजय नगर साम्राज्य (1336-1565)

संगम वश 269, सालुव वंश (1485-1506 ई॰) 271, तुलुव वंश

Scanned by TapScanner

(1505-1565 ई॰) 272, कृष्णदेव राय (1505-1529 ई॰) 272, कृष्णदेव राय: सेनानायक एवं प्रशासक के रूप में 274, अच्युतदेव राय (1529-1542 ई॰) 275, सदाशिव (1542-1572 ई॰) 277, रक्षसी-तगड़ी का युद्ध 278

घ) बहमनी साम्राज्य (1346-1518) 279

अलाउद्दीन हसन बहमनशाह (1347-1358 ई॰) 281, मुहम्मद प्रथम 281, ताज़ुद्दीन फ़िरोज़ (1397-1422 ई॰) 282, शिहाबुद्दीन अहमद प्रथम (1422-1446 ई॰) 283, अलाउद्दीन अहमद द्वितीय (1436-1458 ई॰) 284, महमूद गावाँ का युद्ध 284, सुल्तान शमसुद्दीन मुहम्मद तृतीय (1463-1482) और महमूद गावाँ का उत्कर्ष 285, महमूद गावाँ की राजनीतिक उपलब्धियाँ 285, महमूद गावाँ का प्रशासकीय एवं सांस्कृतिक योगदान 287, बहमनी साम्राज्य का पतन 287

ङ) विजयनगर–बहमनी संबंध और रायचूर दोआब की समस्या 288

विजयनगर-बहमनी संघर्ष का क्रम 289

च) विजयनगर साम्राज्यः समाज, अर्थव्यवस्था और राजतंत्र 291

समाज 291, दास-प्रथा 292, स्त्रियों की स्थिति 292, सती प्रथा 293, वस्त्राभूषण 293, शिक्षा एवं मनोरंजन, 294, सामाजिक समस्याएं तथा राज्य की भूमिका 294, अर्थव्यवस्था 296, भू-धारण पद्धति, सिंचाई एवं कृषि 296, राज्य-व्यवस्था और राज्यतंत्र 298, केंद्रीय व्यवस्था 299, केंद्रीय सचिवालय 301, प्रांतीय प्रशासन 301, नायकार व्यवस्था 302, स्थानीय शासन 304, आयगार व्यवस्था 305, राजस्व-प्रशासन 305, भू-राजस्व व्यवस्था 305, अन्य विविध कर 306

छ) मध्यकालीन दक्षिण भारत में सामंतवाद टी के वी॰ सुब्रमण्यम, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय 306

. सल्तनत की प्रशासकीय संरचना एवं क्रमिक विकास

क) प्रशासनिक प्रणाली अंजली चटर्जी, कमला नेहरू कॉलेज 312

खलीफा एवं दिल्ली सल्तनत 314, दिल्ली सल्तनत का स्वरूप 318, सुलतान 320 विजारत 323, वित्त विभाग 328, खुम्स 330, बटाई 330, न्याय विभाग 335 प्रांतीय शासन 336,

Scanned by TapScanner

हरिश्चन्द्र वर्मा

(ख) **अक्ता प्रणाली**

अक्ता का अर्थ तथा उसकी पृष्ठभूमि 337, दिल्ली सल्तनत में अक्ता प्रथा 341, वेतन 342, अक्ता लागू करने का उद्देश्य 344, अक्ता का प्रचलन 345, अक्ता का क्षेत्रीय वितरण 349, पदाधिकार की अवधि 350, मुक्ता के कार्य एवं राजस्व 351, मक्ताओं की शक्ति 353, अक्ता का स्वरूप 354, अक्ता और खालसा 356, अक्ता और शिक्क 357

नीना सक्सेना

(ग) **राजस्व व्यवस्था**

भूमि की किस्में 358, अक्ता भूमि 358, खालसा जमीन 360, राज्य का हिस्सा 362

नीना सक्सेना

(घ) **सैन्य संगठन**

हरिश्चन्द्र वर्मा

9. **सल्तनत काल में राज्य और धर्म**

10. **तकनीकी एवं आर्थिक विकास की प्रक्रिया, 750-1540 ई०**

(क) **तकनीकी विकास एवं सामाजिक परिवर्तन** — मधूलिका शंकर

भूतपूर्व प्राचार्य, इंद्रप्रस्थ कॉलेज

(ख) **उत्तरी भारत में व्यापार एवं उद्योग** — गोपाल दास गुलाटी

सत्यवती कॉलेज

यातायात एवं आवागमन के साधन 396, प्रमुख व्यावसायिक एवं व्यापारिक केंद्र 396, प्रमुख व्यापारिक मार्ग 401, जल-मार्ग 402, आयात 403, निर्यात 404

(ग) **दिल्ली सल्तनत के अधीन शहरीकरण** — निर्मल कुमार

वेंकटेश्वर कॉलेज

(घ) **मुग़ल-पूर्व भारत में मुद्रा-प्रणाली** — राकेश कुमार

रामलाल आनंद कॉलेज

(ङ) **दक्षिण भारत में व्यापार एवं उद्योग** — विजया रामास्वामी

गार्गी कॉलेज

दक्षिण भारत में अर्थव्यवस्था का पुनरुत्थान 421, दक्षिण भारत का शिल्प एवं उद्योग 422, हस्त-शिल्प संघ 426, कराधान तथा आर्थिक विरोध 427, विदेश व्यापार 429, विदेश व्यापार के आयात एवं निर्यात की दिशाएं 430, यूरोपीय कंपनियों का आगमन 431, दक्षिण भारत के प्रमुख बंदरगाह 432, व्यापारिक बिचौलिए और दलाल 434

Scanned by TapScanner

1. **मध्ययुगीन भारत के सामाजिक-धार्मिक जीवन पर भक्ति और सूफी-आंदोलन का प्रभाव** — सुनीता पुरी, प्रिंसिपल, लक्ष्मीबाई कॉलेज — 435

क) **भक्ति-आंदोलन** — 435

भक्ति आंदोलन 435, इस्लाम का भारत में आगमन 437, कबीर का प्रभाव 438, सामाजिक एवं आर्थिक विचार 439, नानक का प्रभाव 440, अन्य संत 442, महाराष्ट्र के संत 443

ख) **भारत में सूफीमत तथा उसका प्रभाव** — 448

इस्लाम में सूफीमत का उदय तथा संगठन 449, भारत में सूफीमत का विकास 451, दक्षिण भारत में सूफीमत 453, पीर और मुर्शीद 454, राज्य के प्रति दृष्टिकोण 454, सूफ़ीमत का भक्ति-भावना पर प्रभाव 456, प्रतिक्रियावादी विचारधारा 458

2. **तेरहवीं एवं सोलहवीं सदी में सांस्कृतिक विकास**

क) **वास्तुकला** — मोनिका जुनेजा, इतिहास विभाग — 461

ख) **चित्रकला** — अशोक कुमार दास, महाराजा सवाई मानसिंह संग्रहालय, जयपुर — 469

साहित्यिक प्रमाण 471, भित्तिचित्र के अवशेषों के कुछ दृष्टांत 474, लघुचित्र एवं चित्रांकित पांडुलिपियाँ 474, मांडू, जौनपुर और बंगाल समूह 475, लौर-चंदा-चौर-पंचासिका समूह 477

ग) **संगीत का विकास (750-1540 ई०)** — विनय कुमार अग्रवाल, संगीत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय — 479

सूफी सिलसिला और संगीत 482, ग़ज़ल और कव्वाली 483

3. **भाषा एवं साहित्य का विकास** — कृष्णदत्त पालीवाल — 485

क) **मध्यकालीन भारत में हिंदी साहित्य का विकासः धार्मिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि** — हिंदी विभाग एवं संतोष कुमार शुक्ल

हिंदी साहित्य का पूर्व-मध्यकाल में उदय और विकास (आदि काल) 487, सिद्ध साहित्य 490, जैन (रास) साहित्य 491, नाथ साहित्य 491, लौकिक साहित्य 492, गद्य साहित्य 493, भक्तिकाल 493

Scanned by TapScanner

(ख) ऐतिहासिक लेखन की प्रवृत्तियाँ (750-1540) सलीम किदवई
भूतपूर्व आचार्य, रामजस कॉलेज

अल्बरूनी 498, कल्हण 501, मिनहाज-उस्-सिराज़ 504, जियाउद्दीन बरनी 507, शम्स-ए-सिराज़-अफीफ 512, ख़्वाज़ा अब्दुल मलिक इसामी 515, अमीर खुसरो 515, याह्या बिन अहमद सिरहिंदी 517, ज़हिरुद्दीन मुहम्मद बाबर 517.

परिभाषाएँ

संदर्भ-ग्रंथ सूची

अनुक्रमणिका

Scanned by TapScanner